MAOLA PHROTHU KAREI LARÜBVÜ

माओ भाषा प्रवेशिका

MAO PRIMER

CIIL-NCERT Primer Series

ई-पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।

1. प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें
2. क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें
3. स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें
4. लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें
5. उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें–
https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।

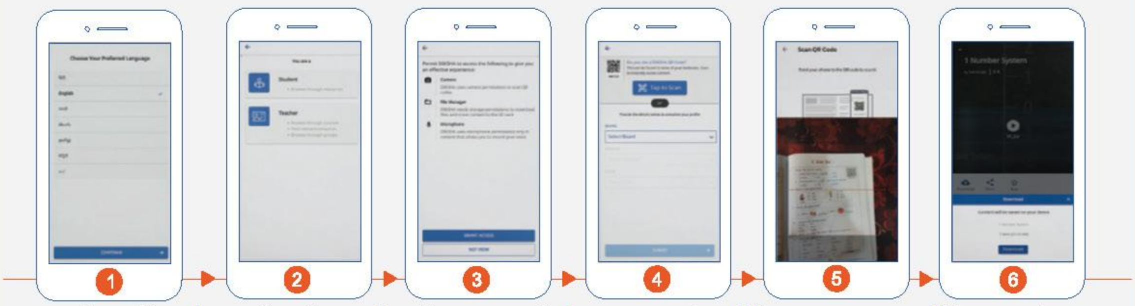

1. अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें
2. अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी
3. पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें
4. क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें
5. कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें
6. क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें–
https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

MAOLA PHROTHU KAREI LARÜBVÜ

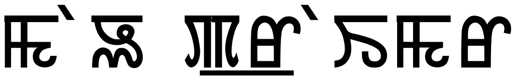

माओ भाषा प्रवेशिका

MAO PRIMER

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

MAOLA PHROTHU KAREI LARÜBVÜ
[illegible]
माओ भाषा प्रवेशिका
MAO PRIMER

A basal reader of Mao alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors
Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Aleendra Brahma
Mathibo Adaphro

ISBN: 978-81-19411-18-4

First Edition: March 9, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024
All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: Shwetha K
Cover Photo: Mathibo Adaphro

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार
Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

प्रस्तावना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ-साथ बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/ घरेलू भाषा/ स्थानीय भाषा/ क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण पर बल देती है। भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। हमारे देश के कई क्षेत्रों में बच्चों को स्कूलों में पढ़ाने की भाषा समझने में कठिनाई होती है। इसके लिए मातृभाषा/ स्थानीय भाषा/ घर में बोली जाने वाली भाषा में शब्द जोड़कर, स्थानीय गीतों और कहानियों को सुनाकर बच्चों की इस कठिनाई को दूर करना आवश्यक है। बच्चों को अक्षर-पहचान के साथ-साथ अर्थपूर्ण ढंग से पढ़ना और लिखना सिखाया जाना चाहिए। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की आवश्यकता है।

अतः हमने एन.सी.ई.आर.टी तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ । अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएं बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णत: नि:शुल्क रूप से भी उपलब्ध होगी।

ये प्रवेशिकाएं राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इनमें शिक्षकों को यह समझने हेतु भी पर्याप्त अवसर दिए गए हैं कि बच्चों को भाषा का प्रारंभिक ज्ञान सही विधि से कैसे कराया जाए। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों और शब्दों के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा/ओं तथा संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहूँगा जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और अपना बहुमूल्य समय लगाया। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से भाषाओं तथा मातृभाषाओं के पठन-पाठन हेतु बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को लाभ होगा।

धर्मेन्द्र प्रधान

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

कौशल भारत, कुशल भारत

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825
E-mail : minister.sm@gov.in, minister-msde@gov.in

प्राक्कथन

भाषा समाज का एक अभिन्न अंग है। भाषा संस्कृति का एक उपादान है, समुदाय की पहचान है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी है। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है-एक ओर भारत की भाषिक विविधता को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। साथ ही यह भी बताता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारतीय संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं के मुद्दों पर हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित बिंदु है कि बच्चों के पास भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है, अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों-ये किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को '*बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति*' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह मज़बूत नींव न केवल भविष्य में विद्यालय एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं) प्राइमरों(का लक्ष्य छोटे बच्चों या अन्य भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से सुपरिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये पुस्तिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों, जैसे-बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी। शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

मार्च, 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका / Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्याधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अधययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilized efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognizing, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarizes children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

मार्च, 2024
मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Mao Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra P. Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology, NCERT, New Delhi
Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru

Member Coordinator

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Resource Persons

Mathibo Adaphro, Junior Resource Person-I, National Translation Mission (NTM), CIIL, Mysuru
Salam Brojen Singh, RP (Teaching) in Manipuri, North Eastern Regional Language Centre (NERLC), (CIIL), Guwahati

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), NTM, CIIL, Mysuru
Jewsnrang Basumatary, RP (Teaching) in Bodo, NERLC, (CIIL), Guwahati
Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru
Puttaraju K, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

HOW TO USE MAO PRIMER

The National Education Policy 2020 and the National Curriculum Framework, 2022, focus on the importance of imparting education to children aged three to eight years, in their mother tongue, home language, local language and regional language. This primer has been specially designed and prepared for the development of oral language of children and to ensure that a child understands, learns and communicates without any hesitation. To enhance children's oral language skills, short songs or rhymes consisting of two to three sentences have been included in each of the individual letter lessons. Teachers can engage children in discussions by singing and reading these songs or rhymes aloud. Keeping in mind the three language formula, and India being a linguistically diverse country, this primer also helps children in learning words not only in their mother tongue but also gets familiarise with another language. For example, the word **Aphe** in Mao is translated into Manipuri as 'ꯑꯥꯃꯄꯨ'. This enables children to enhance their knowledge and at the same time, accept about India and its diversity from their tender age. Apart from language learning, this book also introduces sounds, alphabets, reading and writing practice for the children.

Sound introduction: Children will say the name of the object after seeing the picture. The teacher will ask, what sound does the name of the picture begin with? For instance, after seeing the picture of *Aphe*, children will recognise that it starts with the sound of *A*.

Alphabet Introduction: The teacher will first tell the children, how the letter 'A' looks. Children will be asked to identify the letter 'A' from some given words. Out of three-four words, children will pronounce the sound of the letter 'A' and practice writing the letter.

Reading: Children will look at pictures and say words in their own language. Children will read *Champra*, *Saba* and so on by moving their fingers from left to right. By reading other words, especially the words where 'A' occurs, children will be able to recognise and pronounce the sound of 'A'. The teacher will tell about the occurrence of 'A' at the initial, medial and final positions of words. While reading 'A' on the board, the teacher will also write three-four other words along with the word *Aphe*. S/he will call the children one by one.

To introduce letters, words, and sounds to the children, the primer attempts to make use of the words which are familiar to children. Children will be able to recognise these words by looking at the pictures in the primer. Children will feel comfortable in reading this primer in their own language. The teacher will write a word and ask children to read each letter of it separately, and to read the word by joining the letters, as well. When a child reads a word, other children will join her/him and repeat the word, this is called *group reading*.

Writing: Teachers will first teach children to write 'A' of the word *Aphe*. The teacher will demonstrate how to move the pen(cil) to write from left to right and top to bottom and vice-versa. This is called *supporting writing*. After that, the children will write 'A' themselves after looking at the other letters in the blank space given in the primer. Teachers will assist children while they are reading and writing.

For the development of the oral language of children, small poems of two-three sentences have been written in each page. The teacher will discuss it with the children by singing and reading it. After reading the children's story book available in the school library, teacher will discuss the story in children's language. Remember, one should tell stories and poems to the children in their mother tongue.

Pikowo azhekhru hi koleilowo amarei zhe modohio :

Ala azhe :

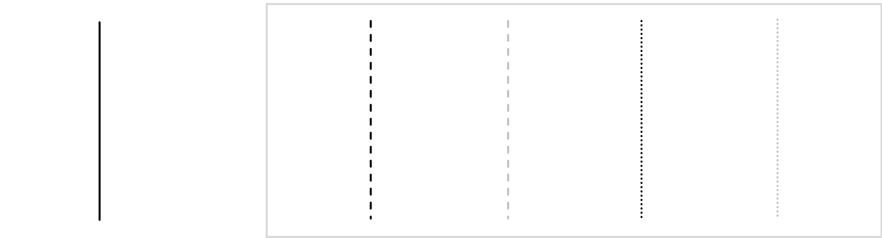

Mashi azhe :

Arü azhe :

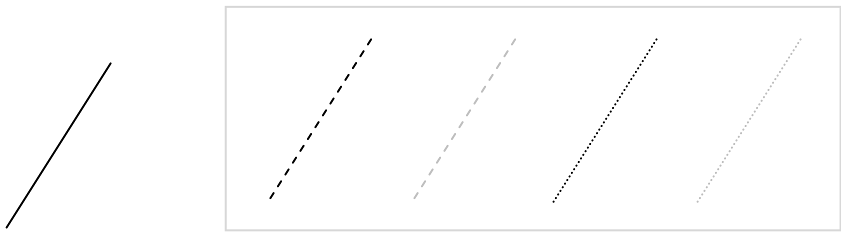

Mosho azhe :

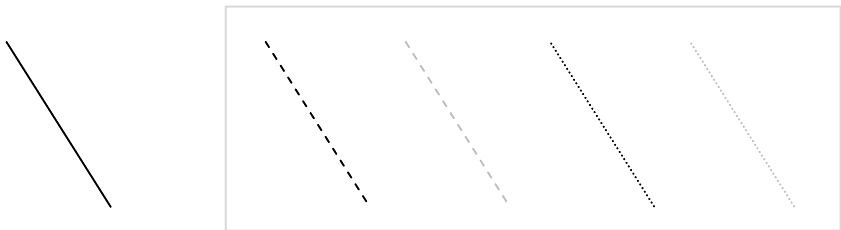

Aho 1 :

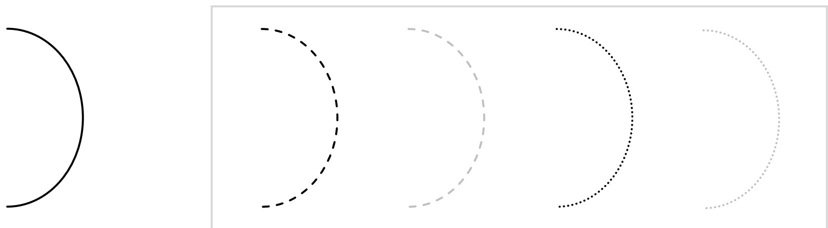

Aho 2 :

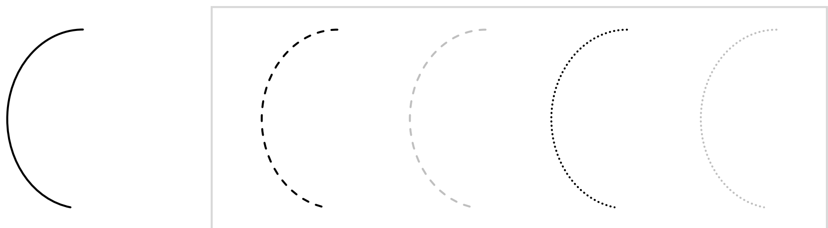

Mosükocho : Modokapimei no pen(sil) kohibvüo pfolowo azhekhru zhewe tikocho modopio.

MAOLA OCHABI

(Mao Alphabet)

OCHA KAJÜ

(Capital Letters)

A B C D E F G H I J

K L M N O P Q R S T

U Ü V W X Y Z

OCHA KATI

(Small Letters)

a b c d e f g h i j

k l m n o p q r s t

u ü v w x y z

KHUSACHA
(Consonant Letters)

B C D F G H J K L M

N P Q R S T V X Z

KHULICHA
(Vowel Letters)

A E I O U Ü

ADAKHUCHA
(Semi-vowel)

W Y

A

Aphe

[illegible]

Aphe aphe.. adei adei.... ne kotho tahio tahio. Ayi apheno tophamanio mosüe.
Ayi talohroe talohroe.
Odzüphisho da da da.

Ahrepro	Champra	Saba
[illegible]	[illegible]	[illegible]

A A A

B

Bazho

Apfü no abatu pei pie. Aya ya ya... Aya ya ya... Apfu no abatu pei pie. Aya ya ya... aya ya ya..
Ichuwoli abatu sü amate.
Aya ya ya... aya ya....

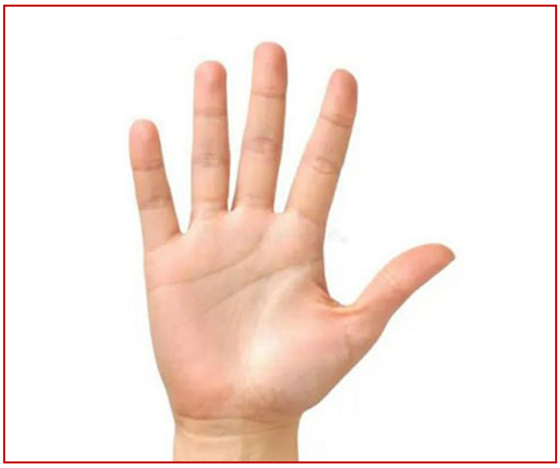

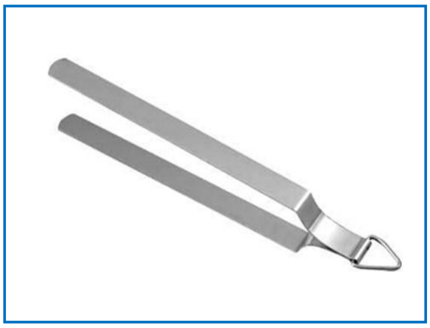

Batu	Khokebu	Kabi

B B B

C

Chisa

[illegible]

Ochürü vue irü vue
abailo abailo
ochü khrukhro leno.
Chüni soshute soshute
abailo abailo
ochü torü amane leno.

Chühroshi	Ochü	Ocha
[illegible]	[illegible]	[illegible]

C C C

D

Darkhashi

[illegible]

Hoe dakho tto no
Hoe odzü leno klo..klo..
klo..klo to zhewe (2)

Dakho	Odo	Todu
[illegible]	[illegible]	[illegible]

D D D

E

Elo

Elo yi hi rohukhrua niprüe.
Khebu khu hi okhea niprüe.
Elo lipeo sü ayiko se.
Khebu lipeo sü ayiko se.
ha ha ha.

Evowu

Khebu

Okhe

F

Fola

Folateshi nizhu hi nghokrü pfothu mamai zhie. Ne zhu kongho hi bvüo abatua nghonicho.
Kofo nikralowe
nino ojü dilowo ovuopro mapra pfothu iyi motowo hrüwe.

Pfunikhe

Folateshi

Kofo

F F F

G

Gusütho

[illegible]

Golapa hi nghoe,
Gusütho hi madeie,
Lengo hi onebvüe,
Ana neko leshi nie akasa.

Golapa	Onghei	Lengo
[illegible]	[illegible]	[illegible]

G G G

H

Hudzü

[illegible]

Hudzü no chithu miki no khepiwo chülu mosüpiwe.
Hromo hi ohro dzü no mozhie.
Shihrai woli oro kraloe ana omei woli ome kralo chomoe.

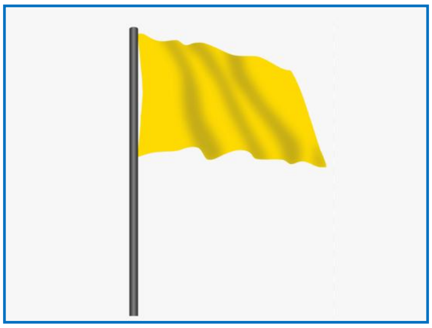

Hromo	Sahra	Shihrai
[illegible]	[illegible]	[illegible]

H H H

I

Ipre

[illegible]

Ipre dzüthe ino niyi pfolowo onga so atu kocho ona sole nia e tipio, nia e tipio.

Ingho	Shikai	Ophi
[illegible]	[illegible]	[illegible]

I I I

J

Jührottho

Jükhro leno nikoto hrottho sü jührottho hise. Ojüpfuki kali jührottho ni no praphro tili ino chovoso toloa botu azhu pi pi le.

Japanpro

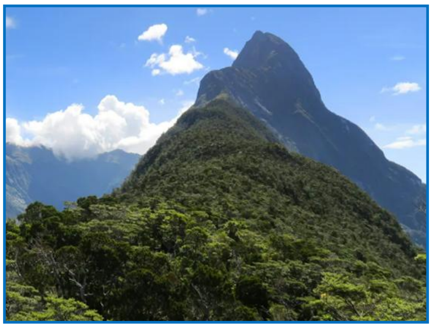

Ojüpfuki

Oje

J J J

K

Kosa

[illegible]

Okhro no pe ayi no dipile. okhe no pe avakhi koto kheolow to. Kosa no pe ayi no tokhru pile.

Kasha

[illegible]

Okhro

[illegible]

Okhe

[illegible]

K K K

L

Lokhabvü

[illegible]

Lokhabvü ye larübvü pfonghei hi kasazhite. Liprokhe ye olei no kheloshi obu vano ne ahepfo marasowe.

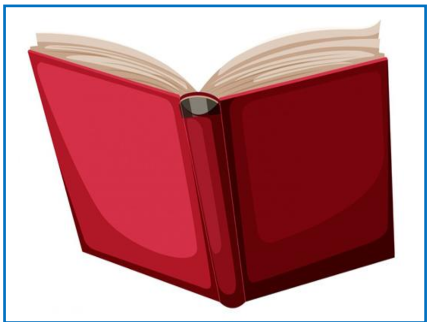

Larübvü

[illegible]

Olei

[illegible]

Mali

[illegible]

L L L

M

Moletho

[illegible]

Moletho niyi no omei rashi to penie. Nikhre onga hi mikrüashi bvüe.

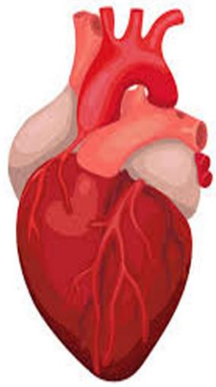

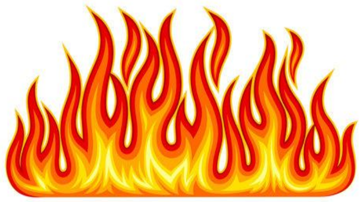

Mikrüashi	Mikru	Omo
[illegible]	[illegible]	[illegible]

M M M

N

Nobi

[illegible]

Nobi nehe pewe chakrülo adei tili mani naye tti one adowo tisho.

Nokei	Mani	One
[illegible]	[illegible]	[illegible]

N N N

O

Okhro

[illegible]

Okhro hi ovu hi akua prawe. Chüngheiwoli malikhrü alia prabuwe.

Ovu	Kovo	Pisho
[illegible]	[illegible]	[illegible]

O O O

P

Pithotho

[illegible]

Chührole pithotho, pito tti athino tonikomo bue... bue...

Lihe adeipa? Lihe konghoapa. Lihe zhapi moli nitto kazhimei pfü monole modo.

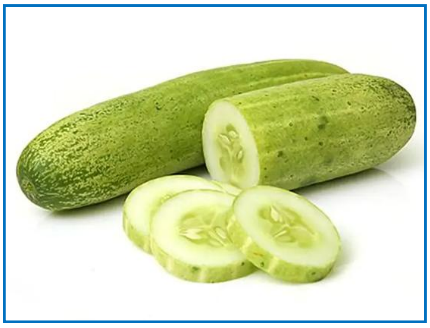

Pito	Phoro	Lideapa
[illegible]	[illegible]	[illegible] ([illegible])

P P P

Q

Q

q

Q Q Q

Q Q Q

Q Q Q

R

Rahu

Kosho kopfü khena thopfü hrule no kani nileiwo sü Rahu koe. Rahu koli no ohra oroso movomei ochü lei no hrülowe.

Rukhemei

Ore

Koreivu

R R R

S

Shungoshi

[illegible]

Shungoshi mitili nghova we.
Kosokoshi mitili nghokrü we.
Athi no nilowo matedzü pranikomo bue.

Shakibvü	Kosokoshi	Oshi
[illegible]	[illegible]	[illegible]

S S S

T

Totoru

Oramei no chülu chopihithoe. Chüvale ovo sowo chükhrü chüzü le asowo ozhelo. Ana totoru ne adei ichako pfüwo chükhrü ozhemote.

Tukhe

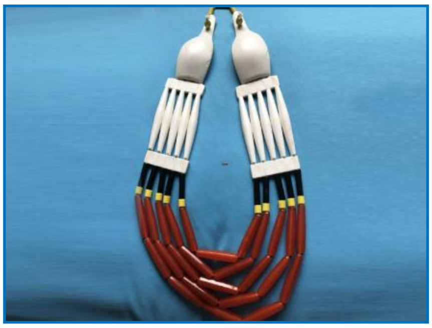

Oto

Khotokhrai

T T T

U

Ulsa

Chüsei chülu chühi ulsa balo kongu kakha khapfüwo bamolowo bulo. Hudzü yi ile kocho bvüwo nelea ilelo.

Unghu	Hudzü	Kongu

U U U

Ü

Ünghü

[illegible]

Ünghü hrole kaleimei adei botoe? Kodzüapae.

Tozhimo mo? Toshimo mo. Ünghü hrole kaleimei adei botoe? Kodzüapae.

Iphrüsü

Kodzüapa

[illegible]

Phirü

[illegible]

Ü Ü Ü

V

Vütho

[illegible]

Ova no vütho niloli oshuso asawo olo okhu otali so arapfo sübu noke kaliva no kaliva atupfo odoli sosowe.

Vaso	Ova	Khoshanabvü
[illegible]	[illegible]	[illegible]

V V V

W

w

w

W W W

W W W

W W W

X

x

x

X X X

X X X

X X X

Y

Naye

Phirü no phipa phitsü yi onga sopiwe. Mani no ophi make yi onga sopiwe. Ana naye nino opfü ophe, oba ye opra ozhu yi oho kazhi sopiwe.
Naye neyi kralo kaji sü piwe.

Y	Y	Y	
Y	Y	Y	

Z

zhapei

ꯐꯛ

Ozhe arawe zhe arawe we we. Obeko leno beko leno no no. Tsü tsü tsü tiwe.

Zhetsü	Ozhe	Khruzhu
ꯆꯦꯂꯨꯝ	ꯎꯆꯤ	ꯃꯛꯈꯣꯛ ꯍꯤꯛꯃꯣꯜ

Z Z Z

MAOLA OPO (Counting)		
1	KALI	
2	KAHEI	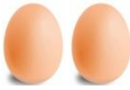
3	KOSÜ	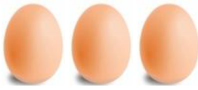
4	PADEI	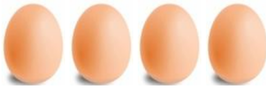
5	PONGO	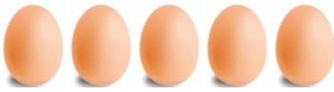
6	CHORO	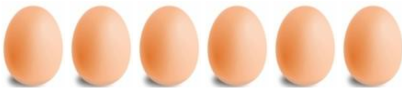
7	CHANI	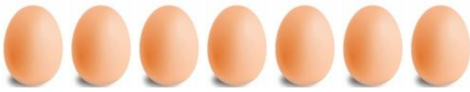
8	CHACHA	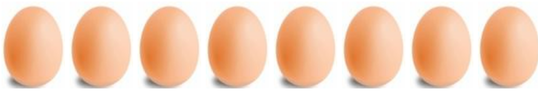
9	CHOKO	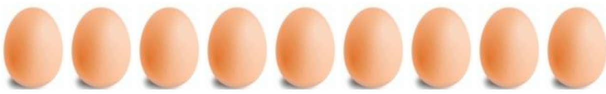
10	CHÜRO	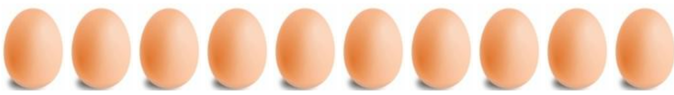

11	CHÜRO KALIO	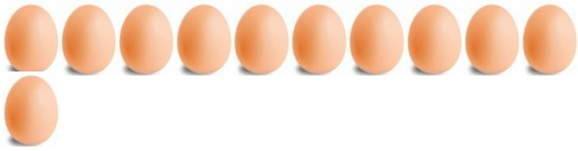
12	CHÜRO KAHEIO	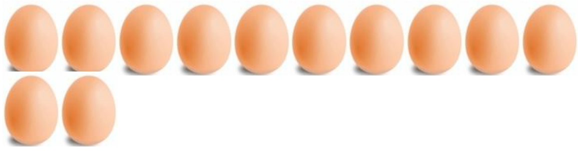
13	CHÜRO KOSÜO	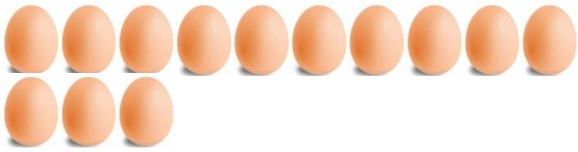
14	CHÜRO PADEIO	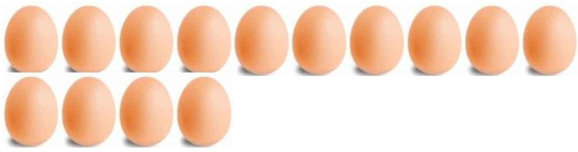
15	CHÜRO PONGO	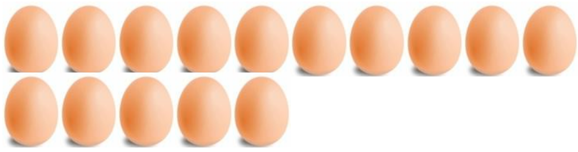
16	CHÜRO CHORO	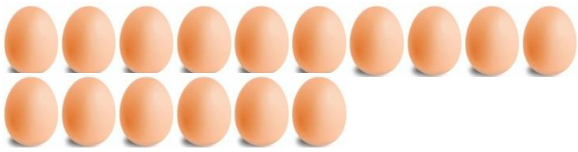
17	CHÜRO CHANIO	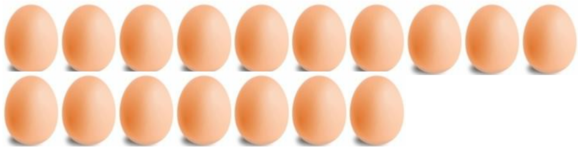
18	CHÜRO CHACHAO	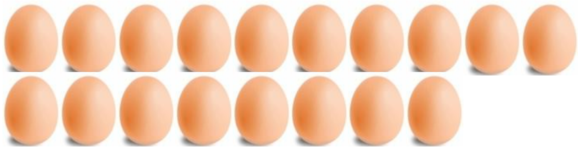
19	CHÜRO CHAKUO	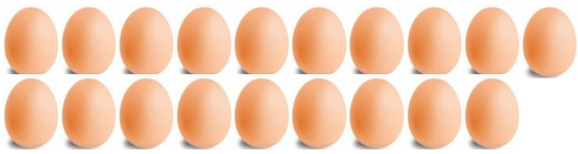
20	MAKEI	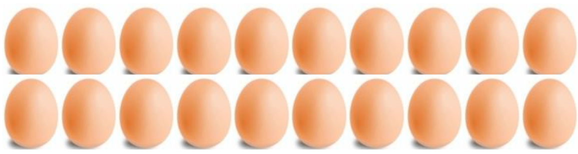

1	1	1	1	
2	2	2	2	
3	3	3	3	
4	4	4	4	
5	5	5	5	
6	6	6	6	
7	7	7	7	
8	8	8	8	
9	9	9	9	
10	10	10	10	

11	11	11	11	
12	12	12	12	
13	13	13	13	
14	14	14	14	
15	15	15	15	
16	16	16	16	
17	17	17	17	
18	18	18	18	
19	19	19	19	
20	20	20	20	

MEETEI HIAKDUAI

(ꯃꯤꯇꯩ ꯃꯌꯦꯛ)

ꯀ	ꯁ	ꯂ
ꯃ	ꯄ	ꯅ
ꯆ	ꯇ	ꯈ
ꯉ	ꯊ	ꯋ
ꯌ	ꯍ	ꯎ
ꯏ	ꯐ	ꯑ
ꯒ	ꯓ	ꯔ
ꯕ	ꯖ	ꯗ
ꯘ	ꯙ	ꯚ

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

1. Install ePathshala Scanner app from Play Store and open
2. Get ready with QR code scanning window
3. Place scanner above the QR code
4. Select and click on the link
5. Use available e-Resource

For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA**

1. Select preferred language
2. Choose your role: Student or Teacher
3. Grant access and allow app permissions
4. Tap to scan the QR code
5. Focus camera on the QR code in textbook
6. Click to Play QR code specific e-resource(s)

For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT (Phase-1)

SCHEDULED LANGUAGES

Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages
1	ASSAMESE	9	KONKANI	17	SANSKRIT
2	BENGALI	10	MAITHILI	18	SANTALI
3	BODO	11	MALAYALAM	19	SINDHI
4	DOGRI	12	MANIPURI	20	TAMIL
5	GUJARATI	13	MARATHI	21	TELUGU
6	HINDI	14	NEPALI	22	URDU
7	KANNADA	15	ODIA		
8	KASHMIRI	16	PUNJABI		

NON - SCHEDULED LANGUAGES

Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages
1	ADI	20	KINNAURI	39	MISING
2	ANAL	21	KISAN (KUNHU)	40	MIZO
3	ANGAMI	22	KODAVA	41	MOGH
4	AO	23	KOKBOROK	42	MUNDARI
5	BHILI (VASAVA)	24	KOLAMI	43	NYISHI (NISSI)
6	BHUTIA	25	KONDA	44	RABHA
7	BISHNUPRIYA MANIPURI	26	KORKU	45	RAI
8	DEORI	27	KORWA	46	SHERPA
9	DIMASA	28	KOYA	47	SAVARA (SORA)
10	GADABA (GUTOB)	29	KUI	48	SÜMI (SEMA)
11	GARO	30	KUKI	49	TAMANG
12	HALBI	31	KURUKH	50	TANGKHUL
13	HMAR	32	KUZHALE (KHEZHA)	51	TANGSA
14	JATAPU (KUVI)	33	LEPCHA	52	TIWA (LALUNG)
15	JUANG	34	LIANGMAI	53	TULU
16	KABUI	35	LIMBU	54	WANCHO
17	KARBI	36	LOTHA		
18	KHANDESHI	37	MAO		
19	KHARIA	38	MISHMI (IDU)		

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
0821 2515820 (Director) / ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
011 2696 2580 / dceta.ncert@nic.in